// lekhā·yoga (masthead)

लेखा·योग

२०००-०१ में विअविअ धन का अन्तः प्रवाह

अङ्क ९४ अगस्त-०३, (मई- ०४ में प्रकाशित)

इस अङ्क में

कुल प्राप्तियाँ	१
अभिदाय के स्रोत	१
प्राप्ति के उद्देश्य	२
२५ शीर्ष दातव्य संस्थाएँ	२
धर्मनिरपेक्ष एवं धार्मिक	३
२५ शीर्ष दान ग्रहीता संस्थाएँ	३
राज्यवार प्राप्तियाँ	३
१ करोड़ से अधिक	४

लेखा·योग ९३ में, वर्ष १९९९-२००० में प्राप्त विदेशी अभिदाय का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। अब हम उसी तरह का विश्लेषण वर्ष २०००-०१ के लिए प्रस्तुत कर रहे हैं।

कुल प्राप्तियाँ

वर्ष २०००-०१ में १४,५९८ संस्थाओं ने विअ[१] - ३ विवरण प्रेषित किया। उन्होंने कुल ४,५३५ . २३ करोड़ रुपयों की प्राप्ति का विवरण दिया। वर्ष १९९९-२००० में यह आँकड़ा ३,९२४.६३ करोड़ था।

पिछले नौ वर्षों (१९९२-९३ से २०००-०१ तक) में अभिदाय की वार्षिक बढ़ोतरी १४ प्रतिशत की दर से हुई। औसत अभिदाय की प्राप्ति प्रति संस्था ९२-९३ में १५.५३ लाख से बढ़ कर २०००-०१ मे ३१.०७ लाख तक हो गई है।

अभिदाय के स्रोत

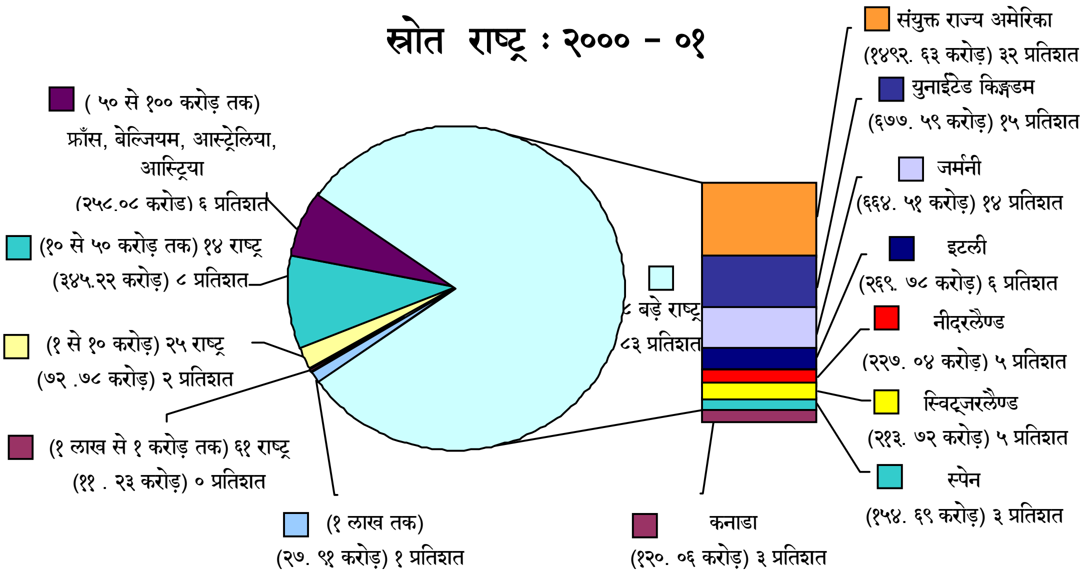

यह अभिदाय कहाँ से आता है? इस वर्ष प्रतिवेदन सूची में १४० देशों के नाम हैं जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका (१,४९२ . ६३ करोड़ रुपये) से ले कर उज़्बेकिस्तान (१,००० रुपये!) तक सम्मिलित हैं। साथ ही इस सूची में एक श्रेणी 'अन्य दाता' है - इनका अंशदान कुल २७ .८३ करोड़ रुपये है।

बड़े वृत के साथ दी गई पट्टी में दिखाया गया है कि आठ पश्चिमी देश कुल अभिदाय का ८३ प्रतिशत धन भेजते हैं जो कि ३,८२० करोड़ रुपये है।

महाद्वीपीय वृत

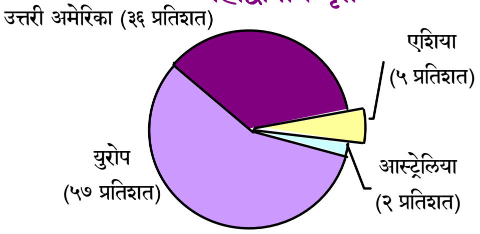

---

[१] विदेशी अभिदाय

छोटा वृत एक भिन्न दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। लगभग ५७ प्रतिशत अभिदाय केवल यूरोप से आता है। उत्तरी अमेरिका (मुख्यतः संयुक्त राज्य अमेरिका तथा कनाडा) से ३६ प्रतिशत आता है। एशिया से कुल अभिदाय का ५ प्रतिशत तथा आस्ट्रेलिया से २ प्रतिशत ही आता है। अफ्रीका तथा दक्षिणी अमेरिका से अभिदाय नहीं के बराबर आता है।

प्राप्ति के उद्देश्य

प्राप्ति के उद्देश्यों का विश्लेषण सम्भवतः इतना विश्वसनीय न हो, क्योंकि अधिकतर जनसेवी संस्थाएँ अपने व्ययों का सटीक वर्गीकरण नहीं कर पाती हैं।

इस वर्ष तो राहत के लिए प्राप्त अभिदाय ७ .५ प्रतिशत तक पहुँच गया है। वर्ष १९९८-९९ में राहत के लिए अभिदाय ४९ करोड़ रुपये था जो इस वर्ष बढ़ कर ३४० करोड़ पर पहुँच गया है। यह सम्भवतः उड़ीसा में आये चक्रवात तथा गुजरात में आये भूकम्प के कारण हो सकता है।

२०००-०१ में उद्देश्यों के अनुसार प्राप्ति

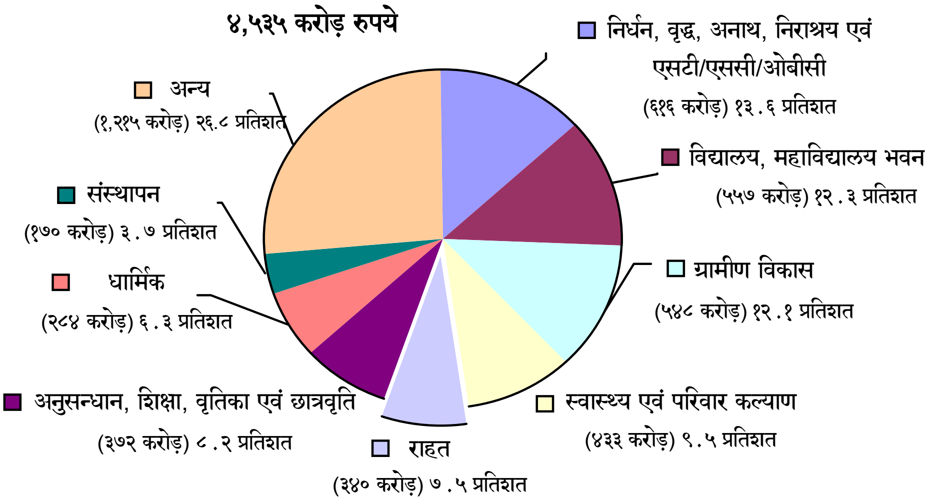

२५ शीर्ष दातव्य संस्थाएँ

विअविअ[२] वृतान्त में २५ बड़ी दातव्य संस्थाओं की सूची दी गई है। इन दातव्य संस्थाओं का संयुक्त अभिदाय १,०८६ करोड़ रुपये या कुल अन्तः प्रवाह का २४ प्रतिशत है।

इन आँकड़ों में द्विदेशीय अभिदाय (विदेशी शासन से भारतीय शासन को) या संयुक्त राष्ट्र से प्राप्त अभिदाय सम्मिलित नहीं है।

संस्था		देश	रुपये (करोड़ में)
१.	वर्ल्ड विज़न इण्टरनेशनल	संयुक्त राज्य अमेरिका	८०.४३
२.	फॉस्टर पेरेण्टस् प्लान इण्टरनेशनल	संयुक्त राज्य अमेरिका	७६.३७
३.	एक्शनएड	युनाइटेड किङ्गडम	६९.७१
४.	बाईबल ट्रैक्ट सोसायटी	संयुक्त राज्य अमेरिका	६८. ११
५.	फाउण्डेशन विन्सेण्ट फैरर	स्पेन	६३.२६
६.	गॉस्पेल फॉर एशिया	संयुक्त राज्य अमेरिका	५८. १३
७.	औक्सफेम (इण्डिया) ट्रस्ट	युनाइटेड किङ्गडम	४८.१०
८.	ई जेड ई	जर्मनी	४७.०७
९.	क्रिश्चियन चिल्ड्रन्स फण्ड	संयुक्त राज्य अमेरिका	४३.०७
१०.	फ्रेन्ड्स ऑफ इण्डियन स्कूल ऑफ बिजनस	संयुक्त राज्य अमेरिका	४२.२७
११.	फोर्ड फाउण्डेशन	संयुक्त राज्य अमेरिका	४१.३२
१२.	महर्षि सहस्र अतिरुद्र सम्वत्सर ट्रस्ट	युनाइटेड किङ्गडम	३९.७४
१३.	मिस्सिओ	जर्मनी	३७.५९
१४.	किण्डर नॉट हिल्फी	जर्मनी	३७.४६
१५.	मानोस युनिडास	स्पेन	३६.७२
१६.	क्रिश्चियन एड	युनाइटेड किङ्गडम	३६.१६
१७.	कोर्ड एड	नीदरलैण्ड	३४.३५
१८.	प्लान इण्टरनेशनल	युनाइटेड किङ्गडम	३२.०७
१९.	मिजेरोर मोजेरस्ट्रेस	जर्मनी	३१.८३
२०.	स्वामी नारायण हिन्दू मिशन	युनाइटेड किङ्गडम	३१.२७
२१.	लेप्रसी मिशन	युनाइटेड किङ्गडम	२८.६५
२२.	इण्टर चर्च कोआर्डिनेशन कमेटी (इक्को)	नीदरलैण्ड	२८.२३
२३.	क्रिश्चियन फाउण्डेशन फॉर चिल्ड्रन एण्ड एजिङ्ग	युनाइटेड किङ्गडम	२५.४४
२४.	हिवोस फाउण्डेशन	नीदरलैण्ड	२४.५५
२५.	क्रिस्टोफल ब्लाइण्डेन मिशन	जर्मनी	२४.४०

[२] विदेशी अभिदाय (विनियमन) अधिनियम

धर्मनिरपेक्ष एवं धार्मिक

धार्मिक संस्थाओं द्वारा कितना अभिदाय दिया जाता है?

दाँई ओर का वृत २५ बड़ी दातव्य संस्थाओं के आधार पर बनाया गया है। इससे पता चलता है कि ६५ प्रतिशत से अधिक अभिदाय ऐसी दातव्य संस्थाओं से आता है जिनकी धार्मिक पृष्ठभूमि है। शेष ३५ प्रतिशत धन उन दातव्य संस्थाओं से आता है जिनकी कोई धार्मिक पहचान नहीं है या धर्मनिरपेक्ष हैं।

ध्यान रखें कि यह वृत केवल २५ बड़ी दातव्य संस्थाओं की उपलब्ध सूचना के आधार पर बनाया हुआ है। सकल प्राप्त अभिदाय का चित्र कुछ भिन्न हो सकता है। एक धार्मिक पृष्ठभूमि वाली संस्था गैर-धार्मिक कार्यों के लिए भी दान दे सकती है।

धर्मनिरपेक्ष एवं धार्मिक

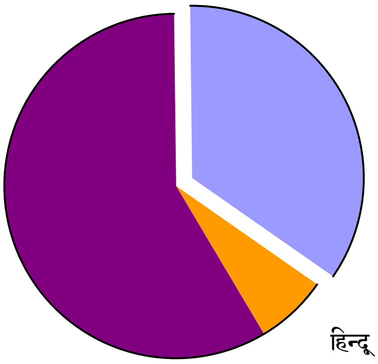

२५ शीर्ष दान ग्रहीता संस्थाएँ

इस धन को कौन प्राप्त करता है? १४,५०० से भी अधिक संस्थाओं की एक लम्बी सूची है जिन्होंने इस अभिदाय को प्राप्त किया है। २५ शीर्ष दान ग्रहिताओं की सूची अधिक प्रबन्धनीय है।

परन्तु, यह सूची थोड़ा दिग्भ्रमित् करने वाली है। इस सूची में जनसेवी संस्थाएँ तथा दातव्य संस्थाएँ दोनों हैं। संयुक्त रूप से इन २५ संस्थाओं ने १,०९५ करोड़ रुपये या कुल अन्तः प्रवाह का २४ प्रतिशत प्राप्त किया। इसमें से २६ प्रतिशत (२८८ करोड़) दातव्य संस्थाओं ने प्राप्त किया। इन्हें सारणी में अलग से नीचे दिखाया गया है।

	संस्था	राज्य	रुपये (करोड़ में)
१.	श्री सत्य साँई सेण्ट्रल ट्रस्ट	आन्ध्र प्रदेश	८८
२.	वर्ल्ड विज़न	तमिलनाडू	८५
३.	बाईबल ट्रैक्ट सोसायटी	महाराष्ट्र	७५
४.	रूरल डैवल्पमेण्ट ट्रस्ट	कर्नाटक	६४
५.	बोचासनवासी अक्षरधाम पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था	महाराष्ट्र	६४
६.	गॉस्पेल फॉर एशिया	केरल	५८
७.	महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्या पीठं	आन्ध्र प्रदेश	४६
८.	इण्डियन स्कूल ऑफ बिजनस	दिल्ली	४३
९.	सेवन्थ डे एडवेण्टिस्ट	तमिलनाडू	३४
१०.	तिब्बतन चिल्ड्रन्स् विलेज	हिमाचल प्रदेश	३२
११.	एस ओ एस चिल्ड्रन्स् विलेज	दिल्ली	३०
१२.	द चर्च काउन्सिल फॉर चाइल्ड एण्ड यूथ केअर	कर्नाटक	३०
१३.	लेप्रसी मिशन ट्रस्ट	दिल्ली	२९
१४.	इण्टर चर्च कोआर्डिनेशन कमेटी (इक्को)	कर्नाटक	२४
१५.	इण्डिया कैम्पस क्रुसेड फॉर क्राइस्ट	कर्नाटक	२४
१६.	माता अमृतानन्दमयी मिशन	केरल	२३
१७.	लूथरन वर्ल्ड सर्विस	पश्चिम बङ्गाल	२२
१८.	मिशनरीज़ ऑफ चैरिटी	पश्चिम बङ्गाल	२०
१९.	दलाईलामा सेण्ट्रल तिब्बतियन रिलीफ कमेटी	हिमाचल प्रदेश	२०
	दातव्य संस्थाएँ		
१.	फॉस्टर पेरेण्टस् प्लान इण्टरनेशनल	दिल्ली	६८
२.	कैरिटास इण्डिया	दिल्ली	६०
३.	एक्शनएड	कर्नाटक	५२
४.	ऑक्सफैम (इण्डिया) ट्रस्ट	दिल्ली	४६
५.	चर्च आक्सिलियरी फॉर सोशल एक्शन (कासा)	दिल्ली	४०
६.	इन्डो-जर्मन सोशल सर्विस सोसायटी	दिल्ली	२२

राज्यवार प्राप्तियाँ

वर्ष २०००-०१ में सत्रह[३] राज्यों ने ४,४६४ करोड़ या कुल अन्तः प्रवाह का ९८.४ प्रतिशत प्राप्त किया। शेष १. ६ प्रतिशत बाकी ९ राज्यों

[३] इन आँकड़ों में नव-गठित राज्यों (छत्तीसगढ़, उत्तराञ्चल तथा झारखण्ड) को अलग से नहीं दिखाया गया है।

तथा ५ केन्द्र शासित प्रदेशों[४] की ५५६ संस्थाओं को गया।

	राज्य / केन्द्र शासित प्रदेश	करोड़	प्रतिशत
१	दिल्ली	७६३.०५	१६.८
२.	तमिलनाडू	६४९.४५	१४.३
३.	आन्ध्र प्रदेश	५८९.५२	१३.०
४.	कर्नाटक	४८९.९६	१०.८
५.	महाराष्ट्र	४६६.९१	१०.३
६.	केरल	३६०.३१	७.९
७.	पश्चिम बङ्गाल	२५६.७९	५.६
८.	गुजरात	२०७.४२	४.६
९.	उत्तर प्रदेश	१३४.१६	३.०

	राज्य / केन्द्र शासित प्रदेश	करोड़	प्रतिशत
१०	उडीसा	११४.६१	२.५
११.	बिहार	११२.०७	२.५
१२.	मध्य प्रदेश	९४.०५	२.१
१३.	हिमाचल प्रदेश	८२.५०	१.८
१४.	राजस्थान	५२.५१	१.२
१५.	पञ्जाब	३६.७२	०.८
१६.	मेघालय	३०.३८	०.७
१७.	असम	२३.४०	०.५
१८.	अन्य	७१.४३	१.६

१ करोड़ से अधिक

लगभग ७८३ (५.४ प्रतिशत) संस्थाओं ने २०००-०१ में प्रति संस्था १ करोड़ से अधिक का अभिदाय प्राप्त किया है। अन्य १३,८१५ (९४.६ प्रतिशत) संस्थाओं ने प्रति संस्था १ करोड़ रुपये से कम का अभिदाय प्राप्त किया है।

१ करोड़ रु० से अधिक प्राप्त करने वाले सङ्गठन

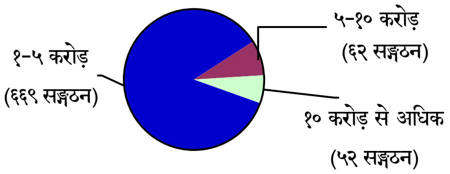

इस अङ्क में दिया गया विश्लेषण, गृह मन्त्रालय द्वारा बनाए किये गये "विदेशी अभिदाय का अन्तः प्रवाह प्रतिवेदन १९९८-९९" के आधार पर प्रस्तुत किया गया है। इस प्रतिवेदन में विदेशी अभिदाय के बहुत से मुल्यवान आँकड़े जुटाए गए हैं। इसके लिए। इस जानकारी को अपने सीमित व्यक्तियों तथा संसाधन द्वारा कठिन परिश्रम करके संग्रहीत करने के लिए। हम विअविअ विभाग का आभार प्रकट करना चाहेंगे।

प्रस्तुत विश्लेषण की कुछ सीमाएँ हैं। यदि इसे सावधानी से न पढ़ा जाए, तो दोषपुर्ण निर्वचन हो सकता है। अतः आप से निवेदन है कि प्रत्येक सारणी के साथ दी गई टिप्पणी को अवश्य पढ़ें।

- माल (वस्तु) के रूप में विदेशी अभिदाय का कभी-कभी मुल्याङ्कन नहीं होता या उनकी सूचना सम्बधित जनसेवी संस्था द्वारा नहीं दी जाती। फलतः आँकड़ें तथा विश्लेषण उसी के अनुसार बिगड़ेंगे।
- इस आँकड़े में शैक्षिक, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक या आर्थिक कार्यक्रमों के लिए प्राप्त धन सम्मिलित है। यह धन किसी 'समाज-परिवर्तन संस्था' विकास संस्था, धार्मिक निकाय, विश्वविद्यालय, चिकित्सालय तथा सरकार द्वारा स्थापित जनसेवी सस्था द्वारा प्राप्त किया गया हो सकता है। किसी विशेष वर्गीकरण के अभाव में तथा पढ़ने की सुविधा के लिए हमने सबके लिए जनसेवी संस्था शब्द का प्रयोग किया है।
- विअविअ विभाग ने जनसेवी संस्थाओं तथा अभिदाय देने वाली दातव्य संस्थाओं के बीच कोई विभाजन नहीं किया है। हमने उन संस्थाओं के लिए जो मुल्यतः अन्य संस्थाओं को दान देती है "दातव्य संस्था" शब्द का प्रयोग किया है।
- एक करोड़ = १०,०००,००० , वर्तमान में भारतीय एक करोड़ रुपये २२७,००० अमेरिकी डालर के बराबर हैं। एक लाख = १००,०००

लेखा·योग क्या है - 'मानक हिन्दी कोश' के अनुसार योग के कम से कम ४० अर्थ होते हैं। गणित में योग का अर्थ है दो संख्याओं को जोड़ना। आध्यात्मिक रूप से योग का अर्थ तपस्या अथवा साधना होता है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने निष्काम कर्म को योग बताया है। लेखा कर्म में यह तीनों भाव अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। यदि लेखाकार लेखा लिखने और योग लगाने में योगफल की चिन्ता न करें तो अवश्य ही संस्थाओं के लेखा-जोखा में सुधार होगा। लेखा·योग का यही उद्देश्य है।

लेखा·योग हर माह प्रकाशित होता है। इसमें जन-सेवी संस्थाओं के नियमन व लेखा प्रणाली से सम्बन्धित विषयों पर चर्चा की जाती है। यह विभिन्न जन-सेवी संस्थाओं, दातव्य संस्थाओं, व अङ्केक्षण प्रतिष्ठानों (ऑडिट फर्म) में लगभग १७०० व्यक्तियों को वितरित किया जाता है। लेखा·योग के प्रत्युत्पादन या पुनर्वितरण को अकाउण्टएड इण्डिया प्रोत्साहित करता है यदि ऐसा अव्यवसायिक उद्देश्य से किया जाए एवं इनके स्रोत को अभिस्वीकार किया जाए।

आँग्ल भाषा में लेखा·योग - This issue of Lekha·Yog is available in English as AccountAble.

लेखा·योग का वाभ-स्वरूप - लेखा·योग के सभी पुराने अङ्कों के आँग्ल संस्करण (AccountAble) हमारे वाभ-स्थल www.AccountAid.net पर उपलब्ध हैं। इनका हिन्दी वाभ-स्वरूप कुछ समय पश्चात् प्राप्त हो सकेगा।

लेखा·योग सम्पुटिका - जनसेवी संस्थाओं के लेखा तथा इससे सम्बन्धित छोटी-छोटी जानकारियाँ प्राप्त करने के लिए कृपया इस पते पर ई-प्रेष करें। accountaid-subscribe@topica.com.

विधि-व्याख्या - यहाँ पर उल्लेखित विधि की व्याख्या साधारण जानकारी हेतु की गयी है। अतः निवेदन है कि कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने से पूर्व अपने परामर्शदाताओं से सम्मति ले लें।

पत्राचार - आपके प्रश्नों और सुझावों का स्वागत है। हमारा पता है - अकाउण्टएड इण्डिया, ५५-ए, खण्ड सी, सिद्धार्थ विस्तार, नई दिल्ली-११० ०१४; दूरभाष - ०११-२६३४ ३१२८, २६३४ ६१११; प्रतिरूप प्रेषिका - २६३४ ३८५२; ई-प्रेष accountaid@vsnl.com. © AccountAid™ India राष्ट्रीय शक संवत् वैशाख १९२६; मई २००४ ईस्वी

[४] लक्षद्वीप में विअविअ के अन्तर्गत पञ्जीकृत कोई संस्था नहीं है।